ATP Education Class 9th, Previous Year Paper 2014
Hindi -IX CBSE downloaded from: www.atpeducation.com

(M) No. of Printed Pages : 10

संकलित परीक्षा - I (2014)
हिन्दी 'अ'
कक्षा -IX

निर्धारित समय : 3 घण्टे | अधिकतम अंक : 90

निर्देश :

(1) इस प्रश्न-पत्र के **चार खंड हैं - क, ख, ग और घ।**

(2) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खंड: क (अपठित बोध)

1 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प छाँटकर लिखिए-** 5

वास्तव में हृदय वही है जो कोमल भावों और स्वदेश-प्रेम से ओतप्रोत हो। प्रत्येक देशवासी को अपने वतन से प्रेम होता है। चाहे उसका देश सूखा, गर्म या दलदलों से युक्त हो। देश-प्रेम के लिए किसी आकर्षण की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि वह तो अपनी भूमि के प्रति मनुष्य मात्र की स्वाभाविक ममता है। मानव ही नहीं, पशु-पक्षियों तक को अपना देश प्यारा होता है। संध्या-समय पक्षी अपने नीड़ की ओर उड़े चले जाते हैं। देश-प्रेम का अंकुर सभी में विद्यमान है। कुछ लोग समझते हैं कि मातृभूमि के नारे लगाने से ही देश-प्रेम व्यक्त होता है। दिन भर वे त्याग, बलिदान और वीरता की कथा सुनाते नहीं थकते। लेकिन परीक्षा की घड़ी आने पर भाग खड़े होते हैं। ऐसे लोग स्वार्थ त्यागकर, जान जोखिम में डालकर देश की सेवा क्यों करेंगे? आज ऐसे लोगों की आवश्यकता नहीं है।

(i) देश-प्रेम का अभिप्राय है —

(क) देश के प्रति कोमल भावों का उदय।

(ख) अनवरत प्रयत्न कर के देश का निर्माण करना।

(ग) देशहित के लिए शत्रु से संघर्ष करना।

(घ) देश के लिए व्यक्ति का स्वाभाविक ममत्व।

(ii) सच्चा देश-प्रेमी वही है जो —

ATP Education Class 9th, Previous Year Paper 2014
Hindi -IX CBSE downloaded from: www.atpeducation.com

(क) वीर सपूतों की कहानियाँ सुनाता है।

(ख) मातृभूमि का जयघोष करता है।

(ग) परीक्षा की घड़ी में कसौटी पर खरा उतरता है।

(घ) अपनी भूमि देश के लिए दान कर देता है।

(iii) गद्यांश को पढ़कर प्रेरणा मिलती है,-

(क) देश के सम्मान की (ख) देश के गुणगान की

(ग) देश के महत्त्व को समझने की (घ) सच्चे देश-प्रेम की

(iv) 'देशवासी' शब्द में समास है —

(क) द्वंद्व समास। (ख) अव्ययीभाव समास।

(ग) द्विगु समास। (घ) तत्पुरुष समास।

(v) आज उन लोगों की आवश्यकता नहीं है जो —

(क) देश से प्रेम करते हैं।

(ख) भ्रष्टाचारी हैं।

(ग) स्वदेश-हित के कार्य करने के अवसर पर जी चुराकर भागते हैं।

(घ) देश-प्रेम की कथाएँ सुनाते हैं।

2 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प छाँटकर लिखिए- 5

बहुधा हम तप को निर्धनता या आत्म त्याग कामूल कहते हैं। तप यह दोनों ही नहीं है। तप परिपक्वता से आता है। यह सामाजिक आरोग्यता का प्रतीक है। प्राय: जो व्यक्ति तप का अभ्यास करते हैं वे सम्पन्नता से चिढ़ते हैं। यह बहुत दयनीय स्थिति है, इस प्रकार का तप परिपक्वता से नहीं बल्कि मजबूरी द्वारा आता है। वास्तविक तप तो सम्पन्नता के प्रति सहनशील होना है और इसमें कोई आक्रोश नहींहोता। वास्तव में परिपक्व व्यक्ति को उनके प्रति दया होगी जो तप नहीं करते। अभिमान है आत्मा की निर्धनता। तप इस झूठे अभिमान से मुक्ति दिलाता है परंतु तप

ATP Education Class 9th, Previous Year Paper 2014
Hindi -IX CBSE downloaded from: www.atpeducation.com

का घमण्ड फिर एक अभिमान है। तप उत्सव के विरुद्ध नहीं और केवल आडम्बर उत्सव नहीं। उत्सव तो केवल आत्मा में उदित होता है। केवल वही जिसमें आत्मिक सम्पन्नता है, तप कर सकता है। किसी के पास सांसारिक सम्पन्नता हो सकती है परन्तु यदि उसमें आत्मिक निर्धनता है, वह न तो उत्सव मना सकता है न ही विकसित हो सकता है।

(i) तप किससे आता है ?

(क) परिपक्वता से। (ख) परिश्रम से।

(ग) घमंड से। (घ) पूजा-पाठ से।

(ii) तप किसका प्रतीक है ?

(क) सामाजिक आरोग्यता का। (ख) आर्थिक उन्नति का।

(ग) सामाजिक समरसता का। (घ) व्रत और उपवास का।

(iii) तप का नित्य लक्षण है,-

(क) विपन्नता (ख) परोपकारिता

(ग) संपन्नता होने पर भी सहनशील होना (घ) अंहकार विहिनता

(iv) अभिमान का दूसरा नाम है-

(क) जीवन की निर्धनता। (ख) आत्मा की निर्धनता।

(ग) जीवन मूल्यों की निर्धनता। (घ) आत्मा का मरण।

(v) 'परिपक्व' शब्द में उपसर्ग और मूल शब्द हैं,

(क) परि+पक्व (ख) परि+पक

(ग) प+रिपक्व (घ) परिप+क्व

3 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प छाँटकर लिखिए- 5

संकटों से वीर घबराते नहीं,

 downloaded from: www.atpeducation.com

आपदाएँ देख छिप जाते नहीं।
लग गए जिस काम में, पूरा किया,
काम करके व्यर्थ पछताते नहीं।
हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता,
कर्मवीरों को न इससे वास्ता।
बढ़ चले तो अंत तक ही बढ़ चले,
कठिनतर गिरिशृंग ऊपर चढ़ चले।
कठिन पथ को देख मुस्काते सदा,
संकटों के बीच वे गाते सदा।
है असंभव कुछ नहीं उनके लिए,'
सरल-संभव कर दिखाते वे सदा।
'यह असंभव कायरों का शब्द है,
कहा था नेपोलियन ने एक दिन।
सच बताऊँ जिंदगी ही व्यर्थ है,
दर्प बिन, उत्साह बिन और शक्ति बिन।

(i) वीर पुरुष किससे नहीं घबराते?

(क) मृत्यु से। (ख) कठिन कार्य से।

(ग) संघर्ष से। (घ) संकटों और आपदाओं से।

(ii) नेपोलियन ने कहा था कि, —

(क) असंभव संभव है। (ख) सभी कार्य संभव हैं।

(ग) असंभव कायरों का शब्द होता है। (घ) वीर के लिए सभी मार्ग संभव हैं।

(iii) संकटों के बीच आनंदपूर्वक गाने और उत्साहपूर्वक मार्ग या कार्य पूरा करनेवाले होते हैं, —

(क) उत्साही। (ख) युद्धवीर।

(ग) धर्मवीर। (घ) कर्मवीर।

(iv) काव्यांश के अनुसार जिन विशेषताओं के बिना जीवन व्यर्थ है, वे हैं, —

ATP Education Class 9th, Previous Year Paper 2014
Hindi -IX CBSE downloaded from: www.atpeducation.com

(क) दर्प, वीरता, स्वाभिमान। (ख) उत्साह, शक्ति, एवं दर्प

(ग) शक्ति, दर्प, आत्मविश्वास। (घ) साहस, दृढ़ता, लगन।

(v) कविता को पढ़कर प्रेरणा मिलती है,-

(क) कायर न बनने की।

(ख) प्रसन्नचित बने रहने की।

(ग) कठिनाई का सामना करने की।

(घ) कठिन से कठिन कार्य को भी उत्साहपूर्वक करने की।

4 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए तथा दिए गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प छाँटकर लिखिए- 5

पशु-शक्ति का न प्रयोग हो,
सद्भाव का उपयोग हो,
सबसे सदा सहयोग हो,
निज चित्त पर निज वित्त पर
सबका सदा अधिकार हो,
सुख-शांतिमय संसार हो।
व्यक्तित्व का सम्मान हो,
निज देश का अभिमान हो,
पर विश्व-हित का ध्यान हो,
निज स्वार्थ में ही भूलकर
कोई नहीं अनुदार हो,
सुख-शांतिमय संसार हो।
सबका सदा उत्कर्ष हो,
तो भी न कुछ संघर्ष हो,
आराध्य बस आदर्श हो,
हों वर विवेक-विचार मन में
और उर में प्यार हो,
सुख-शांतिमय संसार हो।

(i) प्रस्तुत पद्यांश में किस चीज के उपयोग की बात कही गई है?

ATP Education Class 9th, Previous Year Paper 2014
Hindi -IX CBSE downloaded from: www.atpeducation.com

(क) दूसरों की संपत्ति के। (ख) पशु-शक्ति के।

(ग) सद्भाव के। (घ) अपने धन के।

(ii) हमें सदा जिसके कल्याण का ध्यान रखना चाहिए, वह है —

(क) अपना देश। (ख) स्वयं हम।

(ग) अपना समाज। (घ) संपूर्ण विश्व।

(iii) कवि के मन में उन्नति की लालसा है —

(क) अपनी उन्नति की। (ख) देश की उन्नति की।

(ग) सबकी उन्नति की। (घ) समाज की उन्नति की।

(iv) पद्यांश के अनुसार हमारा मन सदाआपूरित रहे —

(क) सबके प्रति प्यार से। (ख) श्रेष्ठ विवेक पूर्ण विचारों से।

(ग) द्वेष के निर्बंध से। (घ) शांति की कामना से।

(v) 'सबसे सदा सहयोग हो' में अलंकार है —

(क) उपमा अलंकार (ख) श्लेष अलंकार

(ग) अनुप्रास अलंकार (घ) यमक अलंकार

खंड: ख (व्यावहारिक व्याकरण)

5 **निर्देशानुसार उत्तर दीजिए।** 7

(क) निरभिमान' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।

(ख) 'अभि' उपसर्ग लगाकर दो शब्द बनाइए।

(ग) भारतीय' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

ATP Education Class 9th, Previous Year Paper 2014
Hindi -IX CBSE downloaded from: www.atpeducation.com

(M) No. of Printed Pages : 10

(घ) 'कार' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

(ङ) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए।
(I) दुरात्मा (II) आमरण (III) पंचवटी

6 (I) अर्थ के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों को पहचान कर उनके भेद लिखिए। 4

(क) अध्यापक जी पढ़ा रहे हैं ।

(ख) तुम क्या लाए हो ?

(II) निम्नलिखितवाक्योंकोनिर्देशानुसार बदलिए।

(क) छात्र शोर मचा रहे हैं । (प्रश्नवाचक)

(ख) रामकृष्ण गाँव से अभी आया है ।(निषेधवाचक)

7 निम्नलिखित पद्यांशों में प्रयुक्त अलंकारों को पहचान कर उनका नाम लिखिए — 4

(क) मुदित महीपति मंदिर आये ।

(ख) रामसीय जस सलिल सुधासम ।

(ग) प्रश्न-चिह्नों में उठी है भाग्य-सागर की हिलोरें।

(घ) कनक कनक तें सौ गुनी मादकता अधिकाइ

खंड: ग (पाठ्य-पुस्तक)

8 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 5

आज सालिम अली नहीं हैं। चौधरी साहब भी नहीं हैं। कौन बचा है, जो अब सोंधी माटी पर उगी फसलों के बीच एक नए भारत की नींव रखने का संकल्प लेगा ? कौन बचा है, जो अब हिमालय और लद्दाख की बरफीली जमीनों पर जीने वाले पक्षियों की वकालत करेगा? सालिम अली ने अपनी आत्मकथा का नाम रखा था "फॉल ऑफ ए स्पैरो"।

 downloaded from: www.atpeducation.com

(क) पक्षियों के बारे में कौन-कौन वकालत करने वाले थे ?

(ख) चौधरी साहब कौन थे ? सालिम अली उनसे क्यों मिले ?

(ग) सालिम अली ने कौन-सी पुस्तक लिखी थी ? उसमें किसका वर्णन है ?

9 **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2x5)** 10

(क) उपभोक्तावादी संस्कृति हमारे जीवन को किस प्रकार प्रभावित कर रही है? पठित पाठ के आधार पर बताइए।

(ख) भारत की महिलाओं की तुलना में तिब्बत की महिलाओं की सामाजिक स्थिति कैसी थी? ''ल्हासा की ओर'' पाठ के आधार पर लिखिए।

(ग) 'पंखों' पर सवार साँवले सपनों का हुजूम' किसे और क्यों कहा गया है? 'साँवले सपनों की याद' पाठ के आधार पर समझाकर बताइए।

(घ) 'दो बैलों की कथा' पाठ में प्रेमचन्द ने किन नैतिक मूल्यों का उल्लेख किया है ?प्रमुख नैतिक मूल्यों पर प्रकाश डालिए

(ङ) डाकुओं के लिए तिब्बत में सबसे सुरक्षित स्थान कौनसा था, जहाँ उन्हें पकड़े जाने का डर नहीं था ?

10 **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।** 5

रस्सी कच्चे धागे की, खींच रही मैं नाव।

जाने कब सुन मेरी पुकार, करें देव भवसागर पार।

पानी टपके कच्चे सकोरे, व्यर्थ प्रयास हो रहे मेरे।

जी में उठती रह-रह हूक, घर जाने की चाह है घेरे।।

(क) कवयित्री और कविता का नाम लिखिए।

(ख) कवयित्री किसको और क्यों पुकार रही है ?

(ग) 'प्रयास व्यर्थ होना' को कवयित्री ने किस उदाहरण द्वारा व्यक्त किया है ?

ATP Education Class 9th, Previous Year Paper 2014
Education.com
Hindi -IX CBSE downloaded from: www.atpeducation.com

11 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए (2x5) 10

(क) 'कैदी और कोकिला' कविता के अनुसार लिखिए कि तत्कालीन शासक लोग स्वतंत्रता सेनानियों के साथ कैसा व्यवहार करते थे ?

(ख) रसखान कवि के अनुसार गोपी कृष्ण का सब स्वांग भरने को तैयार है लेकिन वह मुरली को नहीं अपनाना चाहती है; क्यों ?

(ग) कवि पन्त ने ग्राम श्री कविता में किस मौसम का वर्णन किया है? उसकी दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(घ) कवयित्री ललद्यद ने माझी को कौन सी उतराई देने की बात कही है ?

(घ) 'कबीर' ने सच्चे प्रेमी की क्या कसौटी बताई है ?

12 बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए दी जाने वाली राहत सहायता में क्या-क्या सामग्री एवं किस तरह के लोगों को शामिल किया जाना चाहिए? एक स्वयं सेवक के रूप में आपकी क्या भूमिका होगी ?बताइए। 5

खंड: घ (लेखन)

13 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 200-250 शब्दों में निबंध लिखिए। 10

(क) समाचार-पत्र

- भूमिका
- समाचार पत्रों का आविष्कार और विकास
- स्वतन्त्रता आन्दोलन में योगदान
- समाचार पत्रों का महत्त्व
- उपसंहार

(ख) हमारे परिवारों की बदलती तस्वीर

- प्रस्तावना।
- पारिवारिक स्वरूप में परिवर्तन (पुराना और नया)

- नए और पुराने विचारों में तालमेल नहीं।
- झूठी शान और दिखावा
- उपसंहार।

(ग) बढ़ते उद्योग -**सिकुड़ते वन**

- भूमिका
- वनों के लाभ-प्राकृतिक सौंदर्य तथा पर्यावरण संतुलन
- नगरी करण का प्रभाव
- क्षतिपूर्ति के उपाय
- उपसंहार

14 अपने विद्यालय में छात्र–छात्राओं के लिए उत्तम पेयजल व्यवस्था के संबंध में कुछ सुझावों का उल्लेख करते हुए अपने प्रधानाचार्य महोदय /प्रधानाचार्या महोदया को पत्र लिखिए। 5

15 गाँव में प्रधान द्वारा 'नशा मुक्ति' पर आयोजित ग्रामवासियों की बैठक तथा चर्चा के विषय से संबंधित प्रतिवेदन तैयार कीजिए। 5